स्वामी नारायण छपिया/ युवा पर्यटन क्लब/विश्व पर्यटन दिवस

दिनांकः 22 सितम्बर , 2023

कार्यक्रम का नाम– अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति दिवस पर युवा पर्यटन क्लब क्विज प्रतियोगिता

आयोजन स्थल– विज्ञान संकाय,श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज,गोंडा

विषय –देवीपाटन मण्डल की सांस्कृतिक धरोहर पर आधारित क्विज प्रतियोगिता

क्विज प्रतियोगिता की संयोजक– डॉ0रेखा शर्मा

सहसंयोजक –डॉ0अजीत कुमार मिश्र

कुल प्रतिभागियों की संख्या– 21

जिला प्रशासन के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अन्तर्गत क्विज प्रतियोगिता में चयनित छात्र/छात्राओं की संख्या–10

1. सौम्या त्रिपाठी ,एम0एस–सी0तृतीय सेमेस्टर वनस्पति विज्ञान
2. अपर्णा सिंह,एम0ए0तृतीय सेमेस्टर भूगोल
3. श्रद्धा मिश्रा,बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर
4. अनूपा यादव,बी0एस–सी0द्वितीय सेमेस्टर
5. प्रदीप कुमार, बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर
6. जय प्रकाश मिश्र, बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर
7. आकांक्षा सिंह, बी0एस–सी0प्रथम सेमेस्टर
8. आयुष सिंह बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर
9. पूजा मिश्रा, बी0एस–सी0तृतीय सेमेस्टर
10. वर्षा सिंह, बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर

जिला प्रशासन के पर्यटन विभाग द्वारा अन्तराष्ट्रीय शान्ति दिवस के उपलक्ष में जनपद के विभिन्न विद्यालय में पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज,गोंडा में प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें छात्र/छात्राओं ने प्रतिभागिता की जिसमें दस बच्चों को मेरिट के आधार पर पर्यटन हेतु स्वामी नारायण जाने के लिए चयनित किया गया

कार्यक्रम को आयोजित करने का उद्देश्य

जिला प्रशासन के पर्यटन विभाग द्वारा छात्र/छात्राओं को अपनी सांस्कृतिक धरोहर को जानने,खोजने व प्रचार प्रसार करने हेतु सांस्कृतिक क्लब का गठन किया गया जिसके लिए एल0बी0एस0,जी0आई0सी0,जी0जी0आई0सी0 के तीस बच्चों को क्लब का सदस्य नामित किया गया।

श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज के चयनित दस छात्र/छात्राओं को दिनांक 27 सितम्बर,2023 को जिला पर्यटन अधिकारी श्रीमती वन्दना पाण्डेय,शास्त्री डिग्री कालेज, पर्यटन क्लब की संयोजक डॉ0रेखा शर्मा एवं सहयोगी डॉ0ड्रिंकल यादव के निर्देशन में स्वामी नारायण छपिया ले जाया गया । इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी,गोंडा एम0अरून्मोलि ने हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को गन्तव्य स्थल के लिए रवाना किया गया ।

स्वामी नारायण छपिया का इतिहास

स्वामीनारायण का जन्म 1781 में उत्तर प्रदेश के छपिया में घनश्याम पांडे के रूप में हुआ था। 1792 में उन्होंने नीलकंठ वर्णी नाम को अपनाते हुए 11 वर्ष की आयु में भारत भर में सात साल की तीर्थ यात्रा शुरू की। इस यात्रा के दौरान उन्होंने कल्याणकारी गतिविधियां की और इस यात्रा के 9 वर्ष और 11 महीने के बाद वह 1799 के आसपास गुजरात राज्य में बस गए। 1800 में उन्हें अपने गुरु स्वामी रामानंद द्वारा उद्धव संप्रदाय में शामिल

किया गया और उन्हें साहजनंद स्वामी का नाम दिया गया। 1802 में अपने गुरु के द्वारा उनकी मृत्यु से पहलेए उन्हें उद्धव संप्रदाय का नेतृत्व सौंप दिया गया। सहजनंद स्वामी ने एक सभा आयोजित की और स्वामीनारायण मंत्र को पढ़ाया। इस बिंदु से वह स्वामीनारायण के रूप में जाने जाते हैं । उद्धव संप्रदाय को स्वामीनारायण संप्रदाय के रूप में जाना जाता है।

Principal
Shri Lal Bahadur Shastri Degree College
Gonda

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI DEGREE COLLEGE GONDA
IQAC